विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-11/07/2020***
वर्ग-तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
(N.C.E.R.T. पर आधारित)
पाठ - 10 (चींटियों का संसार)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने दो-दो कितने कविता का प्रश्नावली हल किया था। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज कि कक्षा में आपको ' चींटियों का संसार' कहानी का अध्ययन करना है, जो कि इस प्रकार है:—

आपने घरों के आसपास चींटियों की क़तारें तो ज़रूर देखी होंगी। चींटियाँ आकार में छोटी होती हैं, पर इनका संसार बड़ा निराला है। ये ज़मीन के अंदर अपना घर बनाती हैं। इनका घर बाँबी कहलाता है। गहराई में होने के कारण, गरमियों में यह बाँबी ठंडी हो जाती है और सर्दियों में गरम।

बाँबी में सामान रखने के लिए अलग-अलग खाने बने होते हैं। एक बाँबी में लगभग दो हज़ार चींटियाँ रहती हैं। कुछ बाँबियों में तो दस हज़ार तक चींटियाँ रहती हैं। ये सारी चींटियाँ भाई-बहन की तरह आपस में मिल-जुलकर रहती हैं। चींटियों के एक परिवार की मुखिया रानी चींटी कहलाती है।

सबसे अधिक काम करने वाली चींटियाँ मज़दूर चींटियाँ कहलाती हैं। ये मज़दूर चींटियाँ रात-दिन मेहनत करती हैं। ये कई प्रकार के कामों में लगी रहती हैं। बाँबी को बड़ा करने का, दुश्मनों से लड़ने का और भोजन को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाने का काम ये चींटियाँ ही करती हैं।

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों, अध्ययन-सामग्री को पढ़ें तथा इनमे से कठिन शब्द छाँटकर लिखें।